



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 605]
No. 605]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 26, 1985/पौष 5, 1907
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 26, 1985/PAUSA 5, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

विन मन्त्रालय

(राजस्थान विभाग)

शधिसूचना

नई दिल्ली 26 दिसम्बर 1985

का आ 912(अ) --केन्द्रीय सरकार स्वायत्त औषधि और मन
प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 (1985 का 61) की धारा 34 और
39 के तहत पठित धारा 76 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
निम्नलिखित नियम बनाते हैं अधीन :-

1. शक्ति नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों में शक्ति नाम स्वायत्त
औषधि और मन प्रभावी पदार्थ (निर्दिष्ट या व्यक्तिगत द्वारा अधिनियम
नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2. धारा 34 के अधीन निर्धारित किए जाने वाले अधिनियम का प्रारम्भ--
जब कोई व्यक्ति को स्वायत्त औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधि-
नियम, 1985 (जिसके अन्तर्गत इसके पश्चात् अधिनियम कहा गया है) के
अध्याय 1 के किसी उपधारा के अधीन दंडनीय किसी अपराध के लिए

दाखिल किया जाता है, तब अधिनियम का प्रारम्भ जिस कोई न्यायालय अधिनियम
की धारा 34 के अधीन उसके द्वारा निर्धारित किए जाने की अपेक्षा करना
इन नियमों में उपबद्ध प्रारम्भ के रूप में होगा।

3. धारा 39 के अधीन निर्धारित किए जाने वाले अधिनियमों के प्रारम्भ
(1) जब स्वायत्त औषधि या मन प्रभावी पदार्थ का व्यक्ती कोई व्यक्ति
अधिनियम की धारा 27 के अधीन दंडनीय किसी अपराध का दायाँ पक्ष
जाना है और न्यायालय निर्देश करता है कि ऐसे व्यक्ति का उसके द्वारा
अधिनियम निर्धारित किए जाने पर, चिकित्सीय उपचार के लिए छूट दिया
जाए तो ऐसे अधिनियम का प्रारम्भ इन नियमों में उपबद्ध प्रारम्भ 2 के रूप में
होगा।

(2) जब अधिनियम की धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन
निर्धारित किया या निराख्यमन का चिकित्सीय उपचार करने के लिए छोड़े
गए किसी व्यक्ति में न्यायालय द्वारा उस धारा की उपधारा (2) के अधीन
उसके छोड़े जाने से पूर्व अधिनियम निर्धारित किए जाने की अपेक्षा की जाती
है तो ऐसे अधिनियम का प्रारम्भ इन नियमों में उपबद्ध प्रारम्भ 3 के रूप में
होगा।

प्रश्न 1

(नियम 2 देखिए)

स्वायत्त आपाधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अध्याय 4 के अधीन कोई अपराध करने से प्रविरत रहने के लिए प्रयत्न

मुख्य ने (नाम) पुत्र/पुत्री/पत्नी
श्री- - - - - (नाम) - - - - - (स्थान) - - - - - का
हो निवास है, अधिनियम के अध्याय 4 के अधीन कोई अपराध करने से प्रविरत रहने के लिए - - - - - को अवधि के लिए अवकाश निष्पादित करने की अपेक्षा की गई है। अतः मैं उक्त अवधि के दौरान ऐसा कोई अपराध न करने के लिए स्वयं को संबद्ध करता हूँ और इसमें मेरे द्वारा कोई व्यतिक्रम किए जाने का दृष्टांत है - - - - -
- - - - - रूप की रकम सरकार को समपहृत करने के लिए स्वयं को आवद्ध करता हूँ।

तारीख

हस्ताक्षर

जहाँ प्रतिभूतियों सहित निष्पादित किए जाने की अपेक्षा की जाए, वहाँ यह जानें।

हम ऊपर नामित - - - - - के लिए स्वयं को प्रतिभूत घोषित करते हैं कि वह (- - - - -) उक्त अवधि के दौरान स्वायत्त आपाधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अध्याय 4 के अधीन अपराध करने से प्रविरत रहेगा/रहेगी और इसमें उसके द्वारा कोई व्यतिक्रम किए जाने का दृष्टांत है, हम संयुक्त और अलग-अलग रूप से स्वयं को - - - - - रूप की रकम सरकार को समपहृत किए जाने के लिए आवद्ध करने हैं।

तारीख

हस्ताक्षर

प्रश्न-2

[नियम 3(i) देखिए]

निर्वाहिकरण/निराध्वस्त विक्रितीय उपचार के पश्चात् न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के लिए और स्वायत्त आपाधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अध्याय 4 के अधीन कोई अपराध करने से प्रविरत रहने के लिए प्रयत्न।

मैंने, (नाम) पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री - - - - -
जो - - - - - का निवास है, निर्वाहिकरण/निराध्वस्त के लिए विक्रितीय उपचार करने के लिए नामित देवे हैं और तारीख - - - - - मे पहले न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के लिए अवकाश निष्पादित करने और मेरे विक्रितीय उपचार के परिणाम का बाबत रिपोर्ट प्रस्तुत करना और अन्तर्गत काल में अधिनियम के अध्याय 4 के अधीन कोई अपराध करने से प्रविरत रहने की मुझ से अपेक्षा की गई है। अतः मैं ऐसा करने के लिए स्वयं को आवद्ध करता हूँ और इसमें कोई व्यतिक्रम किए जाने का दृष्टांत है - - - - - रूप की रकम सरकार को समपहृत किए जाने के लिए स्वयं को आवद्ध करता हूँ।

तारीख

हस्ताक्षर

जहाँ प्रतिभूतियों सहित संघपत्र निष्पादित किए जाने की अपेक्षा की गई, वहाँ जाँचिए।

हम ऊपर नामित - - - - - के लिए स्वयं को प्रतिभूत घोषित करते हैं। यह कि वह (पुत्र/पुत्री) तारीख - - - - - से पहले न्यायालय के समक्ष उपस्थित होगा/होगी और अपने विक्रितीय उपचार

के परिणाम का बाबत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और अन्तर्गतकाल में उक्त अवधि के दौरान वह (पुत्र/पुत्री) स्वायत्त आपाधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अध्याय 4 के अधीन कोई अपराध करने से प्रविरत रहेगा/रहेगी, और इसमें उसके द्वारा कोई व्यतिक्रम किए जाने का दृष्टांत है - - - - - रूप की रकम सरकार को समपहृत करने के लिए स्वयं को संयुक्त और अलग-अलग रूप से आवद्ध करने हैं।

तारीख

हस्ताक्षर

प्रश्न-3

[देखिए नियम 3(2)]

न्यायालय द्वारा थिनिस्टिक्ट की जाने वाली अवधि के लिए स्वायत्त आपाधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अध्याय 4 के अधीन कोई अपराध करने से प्रविरत रहने और इस प्रकार प्रविरत रहने में अवकाश होने पर, न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने और ऐसा अवधि के दौरान अपेक्षा की जाने पर दण्डादेश प्राप्त करने के लिए अवकाश

मुझने, (नाम) - - - - - पुत्र/पुत्री/पत्नी - - - - -
जो - - - - - का निवास है, - - - - - अवधि के लिए स्वायत्त आपाधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के अध्याय 4 के अधीन कोई अपराध करने से प्रविरत रहने के लिए एक अवकाश निष्पादित करने की अपेक्षा की गई है और मैं उक्त अवधि के दौरान कोई ऐसा अपराध न करने के लिए स्वयं को आवद्ध करता हूँ और इसमें मेरे द्वारा कोई व्यतिक्रम किए जाने का दृष्टांत है मैं न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने और उक्त अवधि के दौरान अपेक्षा की जाने पर दण्डादेश पाने के लिए स्वयं को आवद्ध करता हूँ। मेरे द्वारा अधिनियम किए जाने का दृष्टांत है - - - - - रूप की रकम सरकार को समपहृत करने के लिए स्वयं को आवद्ध करता हूँ।

तारीख - - - - - 19

हस्ताक्षर

(जहाँ प्रतिभूतियों सहित संघपत्र निष्पादित किया जाना है, वहाँ जाँचिए।)

हम ऊपर नामित - - - - - के लिए स्वयं को प्रतिभूत घोषित करते हैं कि वह (पुत्र/पुत्री) उक्त अवधि के दौरान स्वायत्त आपाधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अध्याय 4 के अधीन अपराध करने से प्रविरत रहेगा/रहेगी और उसके ऐसे प्रविरत रहने में अवकाश रहने पर वह न्यायालय के समक्ष उपस्थित होगा/होगी और उक्त अवधि के दौरान अपेक्षा की जाने पर दण्डादेश प्राप्त करेगा। करण और इसमें उसके द्वारा व्यतिक्रम किए जाने का दृष्टांत है हम संयुक्त और अलग-अलग रूप से - - - - - रूप की रकम सरकार को समपहृत किए जाने के लिए आवद्ध करने हैं।

तारीख - - - - - 1985

हस्ताक्षर

[प्रसिद्धित, 1985 का. सं. 664/51/85-अफीम]

बी. आर. रेड्डी, सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December, 1985

S.O. 912(E).—In exercise of the powers conferred by section 76, read with sections 34 and 39, of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act,

1985 (61 of 1985), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement, (1) These rules may be called the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (Execution of Bond by Convicts or Addicts) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Form of bond to be executed under section 34. Whenever any person is convicted of an offence punishable under any provision of Chapter IV of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (hereinafter referred to as the Act), the form of bond which a court may require him to execute under section 34 of the Act, shall be as in Form I appended to these rules.

3. Forms of bonds to be executed under section 39.—

(1) When any person addicted to any narcotic drug or psychotropic substance is found guilty of an offence punishable under section 27 of the Act and the court directs that such person be released for undergoing medical treatment on his entering into a bond, the form of such bond shall be as in Form II appended to these rules.

(2) When any person released for undergoing medical treatment for de-toxification or de-addiction under sub-section (1) of section 39 of the Act is required by the court to enter into a bond before his release under sub-section (2) of that section, the form of such bond shall be as in Form III appended to these rules.

FORM I

(See rule 2)

Bond to abstain from commission of any offence under chapter IV of the Narcotic drugs and psychotropic substances act, 1985

Whereas I, (name), son|daughter|wife of inhabitant of (place), have been called upon to enter into a bond to abstain from the commission of any offence under chapter IV of the Act, for the term of———, I hereby bind myself not to commit any such offence during the said term and, in case of my making default therein, I hereby bind myself to forfeit to the Government the sum of rupees.

Dated this day of 19

(Signature)

(where a bond with sureties is required to be executed add).

We do hereby declare ourselves sureties for the above named that he/she will abstain from the commission of offences under Chapter IV of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 during the said term; and, in case of his/her making default therein, we bind ourselves, jointly &

severally, to forfeit to the Government the sum of rupees———.

Dated this day of 19

(Signatures)

FORM II

[See rule 3(1)]

Bond to appear before the court after medical treatment for de-toxification|de-addiction and to abstain from commission of any offence under chapter IV of the narcotic drugs and psychotropic substances Act, 1985.

Whereas, I, (name), son|daughter|wife of inhabitant of (place), have consented to undergo medical treatment for de-toxification|de-addiction and have been called upon to enter into a bond to appear before the court before——— and furnish a report regarding the result of my medical treatment, and in the meantime to abstain from the commission of any offence under Chapter IV of the Act, I hereby bind myself to do so and, in case of my making default therein, I hereby bind myself to forfeit to the Government the sum of rupees———.

Dated this day of 19

(Signature)

(Where a bond with sureties is required to be executed, add.——)

We do hereby declare ourselves sureties for the above named that he/she will appear before the court before and furnish a report regarding the result of his/her medical treatment and in the meantime he/she will abstain from the commission of any offence under Chapter IV of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 during the said term; and, in case of his/her making default therein, we bind ourselves, jointly and severally, to forfeit to the Government the sum of rupees———.

Dated this day of 19

(Signature)

FORM III

[See rule 3(2)]

Bond to abstain from the commission of any offence under chapter IV of the narcotic drugs and psychotropic substances act, 1985 for a period to be specified by the court and on failure so to abstain, to appear before the court and receive sentence when called upon during such period.

Whereas I, (name), son|daughter|wife of inhabitant have been called upon any enter into a bond to abstain from the commission of any offence under Chapter IV of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, for the term of———, and I hereby bind myself not to commit any such offence during the said term and, in case of my making default therein, I hereby bind myself

to appear before the Court and receive sentence when called upon during the said term. In case of my making default therein, I hereby bind myself to forfeit to the Government the sum of rupees--- ---.

Dated this day of 19

(Signature)

(Where a bond with sureties is to be executed add)

We do hereby declare ourselves sureties for the above named that he/she will abstain from the commission of offence under Chapter IV of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act.

1985 during the said term and on his/her failure so to abstain, he/she will appear before the Court at receive sentence when called upon during the said term and in case of his/her making default therein, we bind ourselves jointly and severally to forfeit to the Government the sum of rupees--- ---

Dated this day of 19

(Signature)

[Notification No 13/85 F. No. 664/51/85-OPIUM.]
B. R. REDDY, Additional Secy.